ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर ओसाका ने करवाया फोटोशूट

सिडनी 22 फरवरी (ए)। नाओमी ओसाका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन का फाइनल मुकाबला जेनिफर ब्रॉडी को हराकर जीत लिया।नाओमी ओसाका ने तीन साल के दौरान ही चार ग्रैंड स्लैम जीते। अगर लॉकडाउन न लगता तो वह और स्लैम जीत सकती थीं।

भारत ने मोंटेनेग्रो मुक्केबाजी टूर्नामेंट में 2 स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली 22 फरवरी (ए)। विनका (60 किग्रा) और टी सनामाचा चानू (75 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते जिससे भारत के युवा मुक्केबाजों ने मोंटेनेग्रो के बुदवा में चल रही 30वें एड्रियाटिक पर्ल टूर्नामेंट में अपना शनदार प्रदर्शन जारी रखा। दो स्वर्ण पदक के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने दो रजत और तीन कांस्य पदक भी जीते। इससे पहले अल्फिया पठान (81 किग्रा से अधिक) ने मौजूदा टूर्नामेंट में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। रोहतक की विनका ने फाइनल में मोलदोवा की क्रिस्टीना क्रिपर को 5-0 से हराया जबकि 75 किग्रा वर्ग में आल इंडिया फाइनल में मणिपुर की सनामाचा ने राज साहिबा को 5-0 से शिकस्त दी। भारत को दूसरा रजत महिला 48 किग्रा वर्ग में मिला जहां गीतिका को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद फाइनल में उज्बेकिस्तान की फारजोना फोजिलोवा के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला 57 किग्रा सेमीफाइनल में प्रीति को मोंटेनेग्रो की बोजाना गोजकोविच के खिलाफ 1-4 की हार के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पुरुष वर्ग में प्रियांशु डबास (49 किग्रा) और जुगनू (91 किग्रा से अधिक) ने कांस्य पदक जीते। दोनों मुक्केबाजों को अपने अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। प्रियांशु को उज्बेकिस्तान के इशजोनोव इब्रोखिम के खिलाफ करीबी मुकाबले में 2-3 से हार झेलनी पड़ी जबकि जुगनू को एकतरफा मुकाबले में यूक्रेन के वेसिल तकाचुक ने 5-0 से हराया। महिला 64 किग्रा क्वार्टर फाइनल में लकी राणा ने उज्बेकिस्तान के गुलशोदा इस्तामोवा को 3-0 से हराया। वह रविवार को ही होने वाले फाइनल में फिनलैंड के लिया पुंकिला से भिड़ेंगे। लकी के अलावा भारत की 2 और महिला मुक्केबाज अंतिम दिन स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करेंगी। बेबीरोजिसाना चानू (51 किग्रा) और अरूणधति चौधरी (69 किग्रा) भी आज खिताबी मुकाबले में उतरेंगी। बेबीरोजिसाना को उज्बेकिस्तान की सबीना बोबोकुलोवा जबकि अरूणधति को यूक्रेन की मारयाना स्टोइको से भिड़ना है।

फील्ड पर एग्रेसिव कोहली का बाहर कूल नेचर

पूर्व सिलेक्टर सरनदीप बोले- विराट की लाइफ बेहद सिंपल, घर में वे और अनुष्का खुद मेहमानों को खाना परोसते हैं

नई दिल्ली 22 फरवरी (ए)। भारतीय कप्तान विराट कोहली के एग्रेसिव नेचर के बारे में तो सब जानते हैं। विपक्षी टीम उनसे ऑन-फील्ड भिड़ने में कतराती है, क्योंकि इसके बाद बैटिंग में उनका परफॉर्मेंस और शानदार हो जाता है। हालांकि, पूर्व भारतीय सिलेक्टर सरनदीप सिंह ने कहा है कि फील्ड पर विराट जितने एग्रेसिव हैं, ऑफ द फील्ड वे उतने सरल और कूल भी हैं। सरनदीप ने कहा कि विराट एक अच्छे श्रोता हैं और मेहमान नवाजी में वे कोई कसर नहीं छोड़ते। उन्होंने कहा कि अनुष्का शर्मा और विराट मेहमानों को खुद खाना परोसते हैं।

अनुष्का और विराट खुद करते हैं मेहमानों का आदर सत्कार

सरनदीप ने कहा, विराट के घर में कोई भी नौकर नहीं है। वे पक्षी अनुष्का के साथ घर में मेहमानों का वेलकम करते हैं। विराट आपके साथ बैठते, बात करते और आपके साथ डिनर जाते हैं। इससे ज्यादा आपको क्या चाहिए। सभी खिलाड़ी विराट का बहुत सम्मान करते हैं। ऑन द फील्ड उन्हें एग्रेसिव रहना पड़ता है, क्योंकि वे एक कप्तान हैं। उन्हें हीट मोमेंट में फैसले लेने होते हैं।

भारतीय टीम को एक मैच जीतना और एक ड्रॉ कराना जरूरी

भारतीय टीम 24 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में उतरेगी। 4 टेस्ट की सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए एक टेस्ट जीतना और एक टेस्ट ड्रॉ कराना जरूरी है। अगला टेस्ट डे-नाइट होगा।

विराट सबकी बात ध्यान से सुनने के बाद फैसले लेते हैं

सरनदीप ने स्पोर्ट्स वेबसाइट स्पोर्ट्सकीड़ा से कहा, जब भी सिलेक्शन कमेटी की मीटिंग होती है और विराट उसको जॉइन करते हैं, तो मीटिंग 1 से डेढ़ घंटे तक चलती है। वे सबकी बातों को ध्यान से सुनते हैं। मुझे नहीं पता बाकी लोग उनके बारे में क्या सोचते। लोग उन्हें मैच के दौरान एग्रेसिव देख जज कर लेते हैं। वास्तव में वे काफी डाउन टू अर्थ हैं। वे कोई भी फैसला सबकी बातें सुनने के बाद ही लेते हैं।

क्या मोटेरा में टीम इंडिया अपनाएगी यूएई मॉडल

दुबई में दो डे-नाइट टेस्ट हुए, स्पिनर्स ने लिए तेज गेंदबाजों की तुलना में दोगुने विकेट

अहमदाबाद 22 फरवरी (ए)। भारत और इंग्लैंड के बीच 24 फरवरी से चार टेस्ट मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जाएगा। अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में होने वाला यह मैच डे-नाइट है। यह भारत में खेला जाने वाला सिर्फ दूसरा डे-नाइट टेस्ट है। इससे पहले नवंबर 2019 में कोलकाता में भारत और बांग्लादेश के बीच डे-नाइट मैच हुआ था। घास वाली पिच पर खेला गया वह मुकाबला तीसरे दिन ही खत्म हो गया था और उसमें फास्ट बॉलर्स ने 19 विकेट लिए थे। हालांकि, भारतीय टीम घास वाली पिच इंग्लैंड के खिलाफ नहीं चाहेगी। मुमकिन है कि विराट एंड कंपनी उस तरह की पिच चाहे, जैसी यूएई के शहर दुबई में हुए दो डे-नाइट टेस्ट मैचों में थी। 2016 और 2017 में हुए उन मुकाबलों में स्पिनर्स ने फास्ट बॉलर्स की तुलना में बेहतर परफॉर्म किया

2 टेस्ट में 46 विकेट लिए थे स्पिनर्स ने

डे-नाइट क्रिकेट में आम तौर पर फास्ट बॉलर्स ने स्पिनर्स की तुलना में बेहतर परफॉर्म किया है, लेकिन दुबई में ऐसा नहीं होता है। दुबई में दो डे-नाइट टेस्ट मैच हुए हैं। एक पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच और दूसरा पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच। इनमें फास्ट बॉलर्स ने 25 और स्पिनर्स ने 46 विकेट लिए थे।

यासिर शाह ने दो टेस्ट में लिए 15 विकेट

दुबई में हुए दो डे-नाइट टेस्ट मैचों में पाकिस्तान के लेग स्पिनर यासिर शाह ने 15 विकेट लिए हैं। उनके अलावा वेस्टइंडीज के देवेंद्र बिशू ने वहां 1 टेस्ट मैच में ही 10 विकेट ले लिए। बिशू भी यासिर शाह की तरह लेग स्पिनर हैं। श्रीलंका के लेफ्ट आर्म स्पिनर रंगना हेराथ ने दुबई में 1 डे-नाइट टेस्ट मैच खेलते हुए 5 विकेट लिए हैं।

डे-नाइट टेस्ट में तेज गेंदबाज हिट

स्पिनर्स के मुकाबले पेसर्स ने 239 विकेट ज्यादा लिए, 667 मेडन ओवर फेंककर रन भी कम दिए

अहमदाबाद 22 फरवरी (ए)। इंडिया और इंग्लैंड टीम पहली बार आपस में डे-नाइट टेस्ट खेलेंगी। यह मैच 24 फरवरी को अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच में दोनों टीम के बल्लेबाज और तेज गेंदबाजों के बीच रोमांच देखने को मिलेगा। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि अब तक हुए 15 पिंक बॉल टेस्ट में स्पिनर्स के मुकाबले तेज गेंदबाजों ने 239 ज्यादा विकेट लिए हैं। पहला डे-नाइट टेस्ट नवंबर 2015 को खेला गया था। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 3 विकेट से शिकस्त दी थी। तब से अब तक 15 टेस्ट में 71 तेज गेंदबाजों ने सबसे ज्यादा 354 विकेट लिए हैं। 74 स्पिनर्स ने मिलकर कुल 115 विकेट लिए हैं। स्पिनर्स के मुकाबले पेसर्स ने 207त ज्यादा विकेट लिए हैं।

फास्ट बॉलर्स का इकोनॉमी रेट भी कम

डे-नाइट टेस्ट में कम रन खर्च करने के मामले में भी तेज गेंदबाज काफी आगे हैं। उन्होंने अब तक 667 मेडन ओवर फेंके हैं। इकोनॉमी रेट 2.94 का रहा। वहीं, स्पिनर्स ने 179 मेडन ओवर फेंके हैं। इकोनॉमी रेट 3.25 का रहा।

टीम इंडिया का घर में दूसरा डे-नाइट टेस्ट

इंग्लैंड के खिलाफ भारत का ओवरऑल तीसरा डे-नाइट टेस्ट होगा। टीम इंडिया ने अब तक 2 में से एक मैच जीता और एक हारा है। अपने घर में भारत ने एक पिंक बॉल टेस्ट खेला है, जिसमें बांग्लादेश को पारी और 46 रन से हराया था। दूसरा टेस्ट एडिलेड में खेला था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट से जीती थी। भारतीय स्पिनर्स को घर में अब तक विकेट नहीं मिल सका है। बांग्लादेश के खिलाफ सभी 19 विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए थे। इंग्लैंड का ओवरऑल चौथा पिंक बॉल टेस्ट है। उसने एक मैच घर में खेला, जिसमें जीत मिली थी। इंग्लिश टीम ने 2 डे-नाइट टेस्ट विदेशी जमीन पर खेले और सभी में हार मिली।

सबसे ज्यादा बैट्समैन ही प्लेयर ऑफ द मैच रहे

अब तक खेले गए 15 पिंक बॉल टेस्ट में सबसे ज्यादा 9 बार बैट्समैन ही प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उसके बाद तेज गेंदबाजों का नंबर है, जो 5 बार यह खिताब जीत चुके हैं। एक बार ऑलराउंडर जेसन होल्डर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्पिनर अब तक यह सम्मान नहीं पा सके। अब तक कोई क्रिकेटर एक से ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच नहीं रहा। देश की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 7 क्रिकेटर (3 पेसर, 4 बैट्समैन) प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीत सके। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के 2 बल्लेबाज यह खिताब जीत चुके। इनके अलावा किसी भी देश का एक से ज्यादा क्रिकेटर यह सम्मान हासिल नहीं कर सका।

इंग्लैंड प्रीमियर लीग

लिवरपूल को 98 साल बाद घरेलू मैदान एनफील्ड पर लगातार 4 हार मिली, एवर्टन ने 2-0 से हराया

लिवरपूल 22 फरवरी (ए)। ईपीएल में डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल को एवर्टन ने 4-0 से हराया। रिचर्लिसन ने तीसरे और सिग्रडसन ने 83वें मिनट में गोल किए। लिवरपूल की यह घर में लगातार चौथी हार है। इससे पहले उन्हें 1923 में लगातार 4 घरेलू मैच में हार मिली थी। इस चार हार से पहले टीम घर में लगातार 68 मैच नहीं हारी थी। एवर्टन को 23 मैच बाद लिवरपूल पर जीत मिली। उन्हें एनफील्ड पर आखिरी जीत 1999 में मिली थी। 25 मैच में 40 पॉइंट के साथ लिवरपूल 40 और 24 मैच में इतने ही पॉइंट के साथ एवर्टन 7वें स्थान पर है।

हालैंड ने फिर दो गोल किए

जर्मन लीग बुंदेसलिगा में बोरुसिया डॉर्टमंड ने शाल्के को 4-0 से हराया। सैंचो ने 42वें, हालैंड ने 45वें, 79वें और गुरेरो ने 60वें मिनट में गोल किए। बुंदेसलिगा में अब तक 32 मैच में हालैंड के 30 गोल हैं। उन्होंने चैंपियंस लीग के पिछले मैच में भी दो गोल किए थे। 36 पॉइंट के साथ डॉर्टमंड 6वें स्थान पर है। वहीं, स्पेनिश लीग ला लिगा में रियल मैड्रिड ने रियल वलाडोलिड को 1-0 से हराया।

पूर्व चयनकर्ता ने कहा- ... तो धोनी टी20 वर्ल्ड कप जरूर खेलते, माही सबसे ज्यादा फिट थे

रांची 22 फरवरी (ए)। महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने पिछले साल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 15 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि इससे पहले ये माना जा रहा था कि वह टी20 वर्ल्ड कप खेलेंगे। इस बारे में बात करते हुए पूर्व चयनकर्ता सरनदीप सिंह ने कहा कि यदि कोरोना नहीं होता तो वह ऑस्ट्रेलिया में होने वाला वर्ल्ड कप खेलते। टी20 विश्व कप को पिछले साल महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया था। पूर्व भारतीय चयनकर्ता सरनदीप सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा, निश्चित रूप से, वह खेलते अगर कोविड-19 ने खलल नहीं डाला होता तो। हम भी यही सोच रहे थे कि उन्हें निश्चित रूप से टी20 वर्ल्ड कप खेलना चाहिए था। वह फिट थे, कोई कारण नहीं था कि वह नहीं खेलते। माही सबसे ज्यादा फिट थे। उन्होंने प्रैक्टिस से कभी ब्रेक नहीं लिया। यहां तक कि वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भी माही वहां होते थे और आपने भी देखा होगा कि उन्होंने कभी चोट की वजह से कोई मैच छोड़ा हो।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के बादशाह

जोकोविच ने 18वां ग्रैंड स्लैम जीता, सबसे ज्यादा वक्त तक नंबर-1 रहने का फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ेंगे

मेलबर्न 22 फरवरी (ए)। जोकोविच का यह कुल 18वां ग्रैंड स्लैम खिताब है। वे 9 ऑस्ट्रेलियन ओपन के अलावा 5 विम्बलडन, 3 यूएस ओपन और 1 फ्रेंच ओपन खिताब जीत चुके हैं। वे जल्द ही रोजर फेडरर के सबसे ज्यादा हफ्ते (310) नंबर-1 रहने के रिकॉर्ड को भी तोड़ देंगे। जोकोविच अब तक 307 हफ्ते नंबर-1 रहते गुजार चुके हैं।

मेदवेदेव ने नहीं दी कोई चुनौती - पिछले कुछ राउंड से शानदार फॉर्म में चल रहे मेदवेदेव कोई चुनौती पेश नहीं कर सके। इससे पहले सेमीफाइनल में उन्होंने ग्रीस के वर्ल्ड नंबर-5 स्टेफानोस सितसिपास को 6-4, 6-2, 7-5 से हराया था। वहीं, क्वार्टरफाइनल में मेदवेदेव ने रूस के ही आंद्रे रुबलेव को 7,5, 6-3, 6-2 से हराया था।

17 में से 9 बार टूर्नामेंट जीत चुके हैं वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच - जोकोविच ने अब तक कुल 17 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट खेला है। जिसमें से वे सबसे ज्यादा बार चैम्पियन बने हैं। इसके बाद रोजर फेडरर और रॉय इमरसन ने 6-6 बार और आंद्रे अगासी, जैक क्रोफर्ड और केन रोजवेल ने 4-4 बार यह खिताब अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलियन ओपन में जोकोविच ने फेडरर, नडाल और मरे के खिलाफ14 साल से कोई मैच नहीं हारा है। आखिरी बार फेडरर ने 2007 में राउंड-4 मुकाबले में जोकोविच को हराया था। तब जोकोविच 19 साल के थे और फेडरर नंबर-1 खिताबी थे।

रोजर फेडरर के खिलाफ 4 मैच जीते, 1 हारा।

- एंडी मरे के खिलाफ 5 मैच जीते।
- राफेल नडाल के खिलाफ 2 मैच जीते।
- जोकोविच तोड़ देंगे फेडरर का रिकॉर्ड

वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच अगले महीने फेडरर के सबसे ज्यादा हफ्ते पहली पोजिशन पर रहने के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। फेडरर टेनिस करियर में कुल 310 हफ्ते नंबर-1 रहे। वहीं, जोकोविच को नंबर-1 रहते 307 हफ्ते हो चुके हैं। 8 मार्च, 2021 को वे 311 हफ्ते नंबर-1 रहते शुरू करेंगे। साथ ही एटीपी रैंकिंग को भी फीज कर दिया गया है। इसका मतलब किसी भी खिलाड़ी के जीतने हारने से जोकोविच की रेटिंग और रैंकिंग पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

सिर्फ नडाल ही जोकोविच को रिकॉर्ड तोड़ने से रोक सकते थे - नडाल के पास जोकोविच को फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ने से रोकने का मौका था। अगर नडाल एटीपी कप, ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोटरडैम ओपन जीत जाते, तो वे एटीपी रैंकिंग में जोकोविच को पीछे छोड़ सकते थे।

आईपीएल पर टेस्ट को तरजीह

न्यूजीलैंड के कप्तान विलियम्सन बोले- लीग से ज्यादा देश के लिए खेलना पसंद, माहौल के मुताबिक फैसला लूंगा

क्राइस्टचर्च 22 फरवरी (ए)। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन ने कहा है कि वे इंडियन प्रीमियर लीग से ज्यादा देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद करेंगे। दरअसल न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ 2 जून और 14 जून को लॉर्ड्स और एजबेस्टन में दो टेस्ट खेलने हैं। हालांकि, अप्रैल से जून तक आईपीएल का भी आयोजन हो सकता है। ऐसे में न्यूजीलैंड के क्रिकेटर्स को आईपीएल और देश के लिए खेलने में से एक चुनना पड़ सकता है। विलियम्सन ने कहा कि वे माहौल के मुताबिक फैसला लेंगे।

आईपीएल की तारीखें तय होने का इंतजार कर रहे विलियम्सन - ईएसपीएन क्रिकेटइंफो ने विलियम्सन के हवाले से कहा, आईपीएल के लिए टेस्ट मिस करने का नहीं सोचा है। हालांकि, हम फिलहाल इस बारे में कुछ नहीं कह सकते। आप प्लान बनाते हैं, लेकिन चीजें हमेशा प्लान के मुताबिक नहीं होतीं। हम आईपीएल की तारीखें तय होने का इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद ही किसी फैसले की ओर बढ़ेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिहाज से उपयोगी - न्यूजीलैंड की टीम पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच चुकी है। फाइनल जून में लॉर्ड्स में खेला जाएगा। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ 2 टेस्ट प्रैक्टिस के लिहाज से न्यूजीलैंड के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। विलियम्सन के अलावा न्यूजीलैंड टेस्ट टीम से ट्रेंट बोल्ट, काइल जेमिसन और लोकी फर्ग्यूसन जैसे खिलाड़ी भी आईपीएल के लिए चुने गए हैं।